RNI No. : DELBIL/2005/15122 D.L. No. : DL (S)-01/3362/2019-21

विद्याभारती संकुल संवाद

मासिक पत्रिका

E-mail : vbsankulsamvad@gmail.com

वर्ष-15 अंक 6 मई 2019 विक्रमी सं. 2076 मूल्य : एक रुपया

ब्रह्मादेवी सरस्वती बालिका विद्या मंदिर, हापुड़ की छात्रा ने बनाया देश में नया कीर्तिमान

बनी जिला टॉपर व प्राप्त किया देश में तीसरा स्थान

विद्या भारती के अंतर्गत चलने वाली उत्तर प्रदेश के हापुड़ में ब्रह्मादेवी सरस्वती बालिका विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्रा चंचल गर्ग ने सी.बी.एस.ई. बोर्ड की कक्षा 12वीं की परीक्षा में जिले में टॉपर एवं पूरे देश में तीसरा स्थान प्राप्त कर अपने विद्यालय एवं प्रांत के लिए एक नया इतिहास रचा है। इनके 500 अंक में से 497 अंक प्राप्त हुए हैं। तीन विषयों में तो शत-प्रतिशत अंक प्राप्त हैं। कुल मिलाकर इन्होंने 99.4 प्रतिशत अंक प्राप्त किया है। ज्ञातव्य हो कि यह बालिका अपने विषयों की तैयारी स्वयं अपने अध्यापकों की देख रेख में किया। कोई अतिरिक्त ट्यूशन का सहयोग नहीं लिया। लगातार अपने विषय पर ध्यान केन्द्रित करते हुए पढ़ाई की। मोबाईल फोन या टैबलेट या लैपटॉप आदि किसी भी प्रकार का सहारा नहीं लिया। बहिन चंचल गर्ग का कहना है कि इस सफलता में मेरे पूज्य माता-पिता, श्रद्धेय अध्यापकगण और विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती अलका गुप्ता जी का बहुत बड़ा योगदान है, जिन्होंने मुझे समय-समय पर प्रोत्साहन प्रदान किया व निरंतर परिश्रम करने की प्रेरणा दी।

सरस्वती शिशु मंदिर, टिमरनी को लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में स्थान मिला

10 राज्यों के 15 स्कूलों में 16 से 19 अगस्त 2017 तक ई-कचरा जागरूकता और संग्रह अभियान चलाया गया। इसमें 15,000 छात्रों ने भाग लिया था। ई-कचरे का सबसे बड़ा संग्रह सोमालवार हाई स्कूल एण्ड जूनियर कॉलेज, नागपुर ने किया (1200 किलोग्राम), उसके बाद सिटी प्राइड स्कूल, निगाड़ी, पूणे का था (513 किलोग्राम), क्राइस्टुकुला मिशन हाई स्कूल, सतना (329 किलोग्राम), सरस्वती शिशु मंदिर, टिमरनी (260 किलोग्राम) और रेयान इंटरनेशनल स्कूल, ग्रेटर नोएडा ने (245 किलोग्राम) ई-कचरे का संग्रह किया। इसके लिए इन विद्यालयों का नाम 'लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स वर्ष 2017' में दर्ज किया गया।

वनवासी आज भी राष्ट्रीय चेतना के संवाहक हैं - श्री जे.एम. काशीपति जी

राष्ट्रीय चेतना के संवाहक, संघर्ष के ध्वजवाहक, संस्कृति के उपासक, परंपराओं के पूजक, प्रकृति के पुत्र वनवासियों का जीवन दर्शन, वैदिक काल से आधुनिक काल तक भारत जीवन दर्शन का दर्पण रहा है। वनवासी आज भी राष्ट्रीय चेतना के संवाहक हैं। उपरोक्त बातें महाकोशल वनांचल शिक्षा सेवा न्यास द्वारा प्रकाशित पुस्तक 'वन मंजरी' के विमोचन कार्यक्रम के अवसर पर दिनांक 21 अप्रैल 2019 को विद्या भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री माननीय जे.एम. काशीपति जी ने व्यक्त किए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री काशीपति जी ने कहा कि कालक्रमानुसार वनवासियों को कई नामों से पुकारा जाता रहा है। कभी ये नागवंशी पर्वत पुत्र कहे गए, कभी कोल, किरात, भील कहे गए तो कहीं गोंड-बैगा के नाम से जाने गए। हालांकि वनवासी से आदिवासी तक के नामकरण के बाद भी उनकी जीवनशैली, उनकी परंपराएँ, उनके आनंद उत्सवों की रचनाएँ नहीं बदली। भूपुत्र-वनवासियों ने सदा धरती माता की पूजा और बड़ादेव की अर्चना करके अपनी सांस्कृतिक विरासत

को इतना समृद्ध कर लिया, जिसके कारण आक्रमणकारियों के षडयंत्र निष्प्रभावी होते रहे। किन्तु उन्हें जरूरत थी शिक्षा, चिकित्सा और रोजगार की। इनके जीवन स्तर को संभालने की। इन्हें शासन व सामाजिक संस्थाओं ने संवारने व सुविधा देने का प्रयास किया है। श्री काशीपति जी ने आगे कहा कि वन भू क्षेत्र बड़ा है, समस्याएँ भी बड़ी हैं। इसके लिए सभी का दायित्त्व है कि अपने वनों की ओर लौटें और वनवासियों की समस्याओं को दूर करने में सहभागी बनें। इसके लिए वनांचल शिक्षा सेवा न्यास ने विविध आयामों द्वारा वनवासी छात्रों की शिक्षा व संस्कार की ओर अपने सहयोग के हाथ बढ़ाए हैं। वन मंजरी विशेषांक वनवासी बन्धुओं के उन्नयन व विकास की बात को समाज तक पहुँचाने व आपसी सहयोग प्राप्त करने की दिशा में एक अभिनव प्रयास है।

इसी अवसर पर विद्या भारती महाकौशल प्रांत के साहित्य प्रसार प्रकाशन द्वारा प्रकाशित पुस्तक 'भाषा-भेषजी' (लेखक-श्री नाथूराम राठौर) का भी विमोचन श्रीमान जे.एम. काशीपति जी के कर कमलों द्वारा हुआ। कार्यक्रम में अखिल भारतीय योग शिक्षा प्रमुख श्रीमान के. स्थाणुमूर्ति, विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के सह संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी, विद्या भारती मध्य क्षेत्र के क्षेत्रीय मंत्री श्री विवेक शेंडे सहित सरस्वती शिक्षा परिषद् के अन्य पदाधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

सरस्वती शिशु मंदिर, गीदम की बहिन नम्रता जैन को यू.पी.एस.सी. की परीक्षा में 12वां रैंक एवं सर. शिशु मंदिर, खरगौन की बहिन गरिमा अग्रवाल को 40वां रैंक प्राप्त हुआ

सरस्वती शिशु मंदिर, गीदम की बहिन नम्रता जैन ने यू. पी.एस.सी. की परीक्षा में 12वां रैंक प्राप्त किया वहीं बहिन गरिमा अग्रवाल सरस्वती शिशु मंदिर, खरगौन की रही छात्रा ने इसी परीक्षा में 40वां रैंक लाकर अपने विद्यालय सहित पूरे प्रांत का नाम रौशन कर दिया। हमें अपनी छात्राओं पर गर्व है।

सरस्वती विद्या मंदिर, शिकारपुर के छात्र ने यू.पी.एस.सी. में 92वां रैंक प्राप्त किया

इसी प्रकार गाँव नंगला दलपत पुर के एक किसान परिवार में जन्में श्री वीर प्रताप सिंह ने भी आई.ए.एस. की परीक्षा में 92 वां रैंक लाकर परिवार और गाँव के साथ-साथ अपने जिले व प्रांत का नाम भी रौशन कर दिया। अपने पुत्र की इस अभूतपूर्व सफलता पर परिवार वाले गौरवांवित हो रहें हैं वहीं उनके घर बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। वीरप्रताप शिकारपुर के गाँव नंगला दौलतपुर, पोस्ट करोरा निवासी किसान सतीश राघव के पुत्र हैं। वीरप्रताप सिंह की प्राथमिक शिक्षा आर्य समाज स्कूल करौरा से हुई। इसके पश्चात इन्होंने कक्षा 6वीं से हाईस्कूल की परीक्षा विद्या भारती के सूरजभान सरस्वती विद्या मंदिर, शिकारपुर से पूरी की। उसके पश्चात बी.टेक. तक की शिक्षा अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, उ.प्र. से वर्ष 2015 में पूरी की और तभी से संघ लोक सेवा आयोग की तैयारी में जुट गए। ग्रामीणों के अनुसार वीरप्रताप सिंह बचपन से ही मेधावी छात्र रहा है।

यू.पी.एस.सी. परीक्षा में 244वां रैंक लाकर अभिषेक ने बढ़ाया सरस्वती विद्या मंदिर का मान

'यू.पी.एस.सी. परीक्षा मात्र परीक्षा नहीं है, यह एक हूनर है अपने देश को जानने व समझने का। देश को जानने-समझने वाला व्यक्ति ही देश की सेवा अच्छी प्रकार से कर सकता है। पिताजी के इस आदर्श वाक्य ने ही मुझे यू.पी.एस.सी. की परीक्षा में सफलता दिलाई।' यह कहना है वर्ष 2018 बैच के यू.पी.एस.सी. की परीक्षा में 244 वां रैंक लाकर जिला एवं विद्यालय का मान बढ़ाने वाले सरस्वती विद्या मंदिर, मुंगेर के पूर्वछात्र अभिषेक कुमार सिंह का। उन्होंने कहा कि मेरे माता-पिता ही मेरे गुरु हैं। पढ़ाई के दिनों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि एक बार आचार्य जी ने कहा था कि कुछ काम करो कुछ काम करो, जग में रह कर कुछ नाम करो, यह वाक्य आज भी मुझे याद है। अभिषेक ने कहा कि मेरी शुरू से हार्दिक इच्छा थी कि मैं सिविल सेवा की परीक्षा में सफल होकर देश की सेवा में अपना योगदान करूँ। इसके लिए वरिष्ठ माध्यमिक सरस्वती विद्या मंदिर में सम्मान समारोह आयोजित कर अभिषेक सिंह को अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया। वहीं शिक्षकों ने कहा कि अभिषेक ने यू.पी.एस. सी. की परीक्षा में सफलता प्राप्त कर जिले को गौरवांवित करने के साथ-साथ प्रांत का नाम भी रौशन किया है। ऐसे शिष्यों पर शिक्षकों को भी गौरव होता है तथा अपने परिश्रम की सार्थकता का अनुभव भी होता है।

खुर्जा की बेटी योगिता शर्मा को यू.पी.एस.सी. में 384 वां रैंक प्राप्त

खुर्जा नगर के देवी मंदिर रोड निवासी योगिता शर्मा ने अपनी योग्यता से साबित कर दिया कि वह दुसरों से अलग है। यू.पी.एस.सी. की सिविल सर्विस 2018 में 384 वां रैंक हासिल करके उन्होंने पॉटरी नगरी ही नहीं बल्कि अपने जिले का नाम भी रौशन किया। अपने पिता की कमी के बावजूद उन्होंने कड़ी मेहनत, एकाग्रमन और सच्ची लगन से तीसरे प्रयास में यह मुकाम हासिल किया है। वह कहती हैं कि कामयाबी का सफर अभी अधूरा है। इसलिए फिर से इस परीक्षा में शामिल होंगी।

जुनून से दिव्यांग स्पर्श गुप्ता बने आई.ए.एस.

बुलंदशहर के स्पर्श गुप्ता आँखों से देख नहीं सकते हैं, मगर उन्होंने कामयाबी का ऐसा दीप जलाया कि पूरा परिवार रौशन हो गया। संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में बुलंदशहर के लल्लाबाबू रोड टीचर्स कॉलोनी निवासी सी.ए. श्री अरुण गुप्ता के पुत्र स्पर्श गुप्ता ने ऑल इंडिया में 568वां रैंक हासिल की है। बेटे की इस कामयाबी से पूरा परिवार गौरवांवित है। वर्ष 2016 में किसी बीमारी के कारण स्पर्श गुप्ता की आँखों की रोशनी चली गई।

जल संरक्षण समय की आवश्यकता है - संजीव संगर

उज्ज्वल भविष्य के लिए जल के दुरूपयोग को रोकना होगा - डॉ. अखिलेश्वर

'आज विश्व जल दिवस पर हम सभी संकल्प लेते हैं कि जल संरक्षण के लिए हर संभव विकल्प अपनायेंगे और जल संरक्षण के लिए व्यक्तिगत प्रयास करेंगे।' यह संकल्प 'जल संरक्षण दिवस' पर सर्वहितकारी शिक्षा समिति के मुख्यालय विद्याधाम में सभी कार्यरत बन्धुओं द्वारा लिया गया। यह संकल्प 'जल संरक्षण समिति' की संयोजिका बहन नविता ने सभी को दिलाई।

इस संकल्प दिवस के अवसर पर सर्वहितकारी शिक्षा समिति के मंत्री श्री संजीव संगर ने कहा कि जिस प्रकार से आज हम जल का दुरुपयोग कर रहें हैं इसके कारण भविष्य में आने वाली पीढ़ी को बूंद-बूंद जल के लिए तरसना पड़ सकता है। अत: आज जल संरक्षण समय की बहुत बड़ी आवश्यकता बन गई है। जल संरक्षण के संबंध में किए जाने वाले प्रयासों की जानकारी देते हुए कार्यालय अधीक्षक डॉ. अखिलेश्वर सिंह अरोड़ा ने कहा कि 'आने वाली पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य के लिए हमें जल के दुरूपयोग को रोकना होगा।' डॉ. अखिलेश्वर सिंह ने आगे बताया कि यह कार्यक्रम अप्रैल से जुलाई माह तक चलेगा और अगस्त माह में इसका समापन होगा। इस बीच सर्वहितकारी शिक्षा समिति के 125 औपचारिक एवं 350 अनौपचारिक विद्यालयों में इसके लिए विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम जैसे- पोस्टर मेकिंग, भाषण प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता, रैलियाँ, हस्ताक्षर अभियान, जन सभाएँ आदि किए जायेंगे। इन सभी कार्यक्रमों में छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों आदि को मिलाकर लगभग डेढ़ लाख लोगों की सहभागिता करवाने की योजना की गई है।

शिक्षा विकास समिति, उड़ीसा की साधारण सभा सम्पन्न

'सरस्वती विद्या मंदिर केवल विद्यालय नहीं चलाता वह स्वच्छता, परिवेष सुरक्षा, सामाजिक समरसता आदि गुणात्मक अभिवृद्धि के लिए भी कृतसंकल्प है। इसे समर्पित भावना के साथ सम्पादित कर उड़ीसा में विद्या भारती के कार्य को सशक्त कराना है।' उक्त विचार सभा के उद्घाटन के अवसर पर संस्थान के मंत्री डॉ. किशोरचन्द्र मोहन्ती ने अपना मार्गदर्शन देते हुए कहा तथा उन्होंने विद्या भारती के वैचारिक अधिष्ठान को समाज में व्याप्त करने के लिए सभी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया।

मुख्यवक्ता के रूप में विद्या भारती के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री मा. गोविन्द चन्द्र महंत ने कहा कि प्रवासी कार्यकर्ताओं को अपने शैक्षिक कार्यों में सीमित न रह कर आने वाले चुनौती को भी स्वीकार करना चाहिए। 1952 से आज तक विद्या भारती शिक्षा संस्थान ने अनेकों व्यक्तियों का निर्माण किया है, जो आज हमारे विचारों को समाज में दृढ़ता के साथ प्रतिपादित कर रहें हैं। सरस्वती विद्या मंदिर में लगे समस्त प्रवासी कार्यकर्ताओं ने संगठनात्मक कार्यों की गुणात्मक अभिवृद्धि के लिए अपने दायित्त्व का निर्वहन किया है। इसे अभी और भी समर्पित भाव से सम्पादित कर विद्या भारती के कार्य को सशक्त करना है।

समापन के अवसर पर विद्या भारती पूर्व क्षेत्र के कार्यकारिणी सदस्य श्री विजय गणेश कुलकर्णी ने उड़ीसा प्रांत में चल रहे विद्या भारती के कार्यों की प्रशंसा की। शिक्षा विकास समिति, उड़ीसा की यह सभा दिनांक 30 मार्च से प्रारम्भ होकर 31 मार्च 2019 को समाप्त हुई।

कार्यक्रम में प्रांत के कुल 144 कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम को शिक्षा विकास समिति उड़ीसा के अध्यक्ष डॉ. विनायक दास, डॉ. लक्ष्मीकांत महाराणा, सहमंत्री डॉ. प्रदीप कुमार साहू एवं श्री हेमंत कुमार पाणिग्रही, संगठन मंत्री श्री रमाकांत महांत, सदस्या डॉ. तरुलता देवी आदि कार्यकर्ताओं ने भी मार्गदर्शन किए।

विद्या भारती पश्चिमी उत्तर प्रदेश क्षेत्र की साधारण सभा सम्पन्न

दिनांक 24 मार्च 2019 को पश्चिमी उत्तरप्रदेश की साधारण सभा क्षेत्रीय कार्यालय नेहरु नगर गाजियाबाद में सुनिश्चित हुई, जिसमें राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री श्री यतीन्द्र जी शर्मा का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। इस बैठक में मा. यतीन्द्र जी शर्मा द्वारा कुछ महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर प्रकाश डाला गया।

1. **प्रबंध समितियों से परस्पर संवाद प्रांत या जिला स्तर पर रहना चाहिए। आचार्य/प्रधानाचार्य से भी जीवंत संवाद होता रहे।**
2. **24 घंटे के प्रवास की योजना बने, विद्यालय परिवार के हर घटक की चिंता हो।**
3. **प्रांत समिति के सभी लोग सक्रिय हों।**
4. **पूर्व छात्रों को जोड़ें व उस शक्ति का उपयोग अपने लक्ष्य की पूर्ती हेतु हो, इसकी चिन्ता करें।**
5. **विद्यालय संकुल पर सतत् प्रशिक्षण की व्यवस्था बने।**

प्रांतीय सेवा विभाग की बैठक, साहिबाबाद में सम्पन्न

दिनांक 25 मार्च 2019 को स्वामी विवेकानंद सरस्वती विद्या मंदिर साहिबाबाद में मेरठ प्रांत की सेवा विभाग की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में प्रांत टोली व जिला प्रमुख सहित 22 सदस्यों ने सहभागिता की। आगामी सत्र 2019-20 के लिए योजना तय करते हुए निम्नलिखित बिंदु निश्चित किए।

1. **प्रांत में 400 संस्कार केन्द्र खोलना, सभी केन्द्रों पर संस्कृति प्रवाह परीक्षा व वार्षिक उत्सव मनाना।**
2. **25 सितम्बर 2019 को दो दिवसीय शिविरों का संभागशः आयोजन करना।**
3. **28 जून 2019 से 30 जून 2019 तक प्रांत की कार्यशाला निश्चित की गई।**
4. **केन्द्रों पर 24 घंटे का प्रवास हो, इसकी योजना बनाना तय किया गया।**

बैठक के अंत में राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री श्री यतीन्द्र जी शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि बजट की व्यवस्था में पूर्व छात्रों का सहयोग लेना चाहिए। 2 से 5 घंटे तक केन्द्र चलाना अपेक्षित है। सेवा कार्य में अहंकार को छोड़ना पड़ता है। सवर्ण जातियों का प्रायश्चित करते हुए सेवा बस्ती के बन्धुओं के घर भोजन करना तथा उन्हें अपने घर पर भोजन कराना चाहिए।

बैठक में प्रांत संगठन मंत्री श्री तपन कुमार जी एवं प्रांत सेवा प्रमुख श्री हरपाल जी एवं पालक श्री कैलाश राघव जी उपस्थित रहे।

मध्य भारत प्रांत की प्रांतीय योजना बैठक सम्पन्न

मध्य भारत प्रांत की प्रांतीय योजना बैठक दिनांक 02 अप्रैल से 05 अप्रैल 2019 तक सरस्वती विद्या मंदिर, हरदा में सम्पन्न हुई। इस योजना बैठक में विद्या भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री जे.एम. काशीपति जी का पाथेय प्राप्त हुआ।

बैठक में विद्याभारती के विभिन्न आयामों, कार्य विस्तार, आगामी छः वर्षों में कार्य के विस्तार व क्रियाकलाप की क्रमबद्ध योजना, विद्यालयों में संसाधनों के विकास के साथ-साथ सामाजिक सरोकार और हमारी भूमिका व क्रियाकलाप आदि विषयों पर अपने विचार व्यक्त करते हुए प्रांत के संगठन मंत्री श्री हितानंद जी शर्मा ने कहा कि हमें उपक्रमशील विद्यालय बनाना चाहिए। हमारे संपर्क एवं प्रचार के माध्यमों के विकास के साथ-साथ विद्या भारती के कार्यों का विकास हो, ऐसा प्रयास करना चाहिए।

बैठक के समापन के अवसर पर श्री काशीपति जी ने कहा कि प्रधानाचार्य विद्यालय का योजक होता है। वह विद्यालय परिवार के साथ मिलकर भविष्य रूपी बालक का निर्माण करता है। उसके अपने परिवार में आचार्य, समिति, पूर्व छात्र तथा वर्तमान छात्र सम्मिलित होते हैं। उसे सभी को साथ लेकर सबके विकास के लिए योजना बनाना चाहिए। छात्रों की आदत, रूचि, क्षमता, समय को ध्यान में रखकर विद्यालय की योजना बनाना चाहिए। योजना के क्रियान्वयन में आनेवाली समस्याओं का निदान भी कैसे किया जाए, इस बात की सावधानी भी रखनी चाहिए। आवश्यक सुधार व गति में वृद्धि का मूल्यांकन भी किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि परिवार भाव, प्रेम, आत्मीयता, कमजोरों की चिन्ता, इसका ध्यान रखने की भी आवश्यकता है।

प्रांतीय शिक्षण कौशल कार्यशाला का हुआ आयोजन

दिनांक 28 अप्रैल से 29 अप्रैल 2019 तक दो दिवसीय प्रांतीय शिक्षण कौशल कार्यशाला का आयोजन विद्या भारती के क्षेत्रीय कार्यालय नेहरु नगर, गाजियाबाद में हुआ। कार्यशाला का प्रारंभ श्री पाणिनी तेलंग (Director, Pioneer Study Centre Nagpur) ने दीप प्रज्वलन कर किया।

इस कार्यशाला में प्रांत के समस्त विद्यालयों के गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, अँग्रेजी आदि विषयों के 50 विषय प्रमुखों (आचार्य/आचार्या) ने भाग लिया। कार्यशाला में मुख्य रूप से Reading, Language, Logical, Thinking, Observation, Reasoning, Creativity, Mathematical Skills जैसे अनेक कुशलताओं पर विस्तार से प्रशिक्षण हुआ। सभी आचार्यो ने प्रयोग करके कुशलता प्राप्त की एवं वापस अपने विद्यालय जाकर इस प्रशिक्षण के क्रम को आगे बढ़ाने का संकल्प भी लिया। कार्यशाला में निम्न बिन्दुओं पर चर्चा की गई।

1. **शिक्षण में नवाचार करते हुए अनेको शिक्षण की कुशलताओं का प्रयोग कर विषय को रुचिकर, सहज, सरल बनाएँ।**
2. **हम केवल पढ़ाने की अपेक्षा बालकों में प्रश्न निर्माण की प्रवृत्ति ज्यादा को विकसित कराएँ।**
3. **जानकारी को तथ्य के साथ एवं दैनिक जीवन के उदाहरणों को जोड़ कर बताएँ।**
4. **कक्षा में पढ़ाते समय बच्चों की क्षमता के अनुसार कार्ययोजना बनाएं और उनमें सकारात्मकता तर्क एवं मूल में ले जाने की प्रवृत्ति बनाएँ।**
5. **कक्षा में पढ़ाते समय अपने विषय को दूसरे विषय से जोड़कर दिखाएँ व समझाएँ।**
6. **किसी भी विषय में अपने विषय का कन्टेंट देखने की प्रवृत्ति बनाएँ।**

कार्यशाला के समापन में श्री तपन कुमार (प्रांत संगठन मंत्री) ने सभी आचार्य भैया/बहनों को उत्साहित करते हुए इन कौशलों का प्रयोग अपने-अपने विद्यालयों में शीघ्रातिशीघ्र शुरुआत करने की सलाह भी दी।

बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर जयन्ती पर विचार गोष्ठी

भारत रत्न बाबा साहब के सिद्धान्तों से समाज का सर्वांगीण विकास करें - श्री शिव प्रसाद

बाराँ में विद्या भारती व जन चेतना मंच के संयुक्त तत्त्वावधान में 14 अप्रैल 2019 को भारतीय संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर की जयन्ती के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कार्यालय में विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जन चेतना मंच के संभाग संयोजक श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा ने संगोष्ठी का शुभारम्भ श्री अम्बेडकर जी के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन के साथ किया।

संगोष्ठी के मुख्य वक्ता विद्या भारती के क्षेत्रीय संगठन मंत्री शिक्षाविद् श्रीमान शिवप्रसाद जी ने वर्तमान समय में बाबा साहब अम्बेडकर के सिद्धांतों की प्रासंगिकता पर अपने विचार रखते हुए कहा कि बाबा साहब सभी वर्गों के आदर्श थे। हमें उनके आदर्श व सिद्धांतों से समाज में समरसता लाते हुए उसका सर्वांगीण विकास करना है तथा उनके द्वारा बनाए गए संविधान को सुरक्षित रखना है। संगोष्ठी के अध्यक्ष श्री पूरणचन्द नागर ने प्रस्तावना प्रस्तुत की। संगोष्ठी में श्री धर्मेन्द्र मेघवाल, अमृतलाल मीणा, घनश्याम मेघवाल एवं महावीर प्रसाद सहरिया ने भी डॉ. अम्बेडकर जी के जीवन चरित्र पर अपने विचार व्यक्त किए।

Maatri Sammelan in Assam

To realize the mothers, their importance in a child's life and the nation as well, a day long programme of 'Matri Sanmilon' was held at the premises of the B.L. Beria Saraswati Shishu Mandir Lachit Nagar, Dibrugarh on 04/05/19, Saturday with the active participation of around 300 mothers. The programme began with the sacred ceremony of lighting the lamp by honourable guest Dr. Jitu Buragohain, principal of Dibru college, Dr. Adity Baruah, HOD of Sanskrit Dibru college, The Pradhan Acharya of the School Shri Promod Gogoi and the Secretary of 'Matri Bharati' Smt. Narmada Dutta. On this occasion great women of India and their contributions were remembered with respect by lighting lamps in front of their photographs. Honourable guest Dr. Jitu Buragohain spoke about the mother role on how to build a child as a responsible citizen of the country. Smt. Rita Chutia Nazir Upa Pradhan Acharya of the school informed the mothers about the rules and regulations of the school. Dr. Amar Upadhaya, Professor of education dept. Dibrugarh University was specially invited as the chief guest, who later delivered a valuable speech on 'MOTHERS CO-OPERATION TO BULID A HEALTHY SOCIETY AND COUNTRY'.

The mothers participated in various competitions like Dihanam, extempore speech, thio nam etc. With great enthusiasm and zeal. The programme was concluded by felicitating the winners.

संस्कृति शिक्षा संस्थान की अखिल भारतीय आचार्य/छात्र निबंध प्रतियोगिता का परिणाम घोषित

विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान, कुरुक्षेत्र द्वारा देश भर में आयोजित हुई अखिल भारतीय छात्र निबंध प्रतियोगिता का परिणाम घोषित कर दिया गया है। यह जानकारी देते हुए संस्थान के निदेशक श्री रामेन्द्र सिंह ने बताया कि विचारों को उचित तरीके से स्पष्ट कर पाने की कला को सीखना ही निबंध लेखन का मूल मंतव्य है। निबंध लेखक को अपनी बात किसी अन्य मत से प्रभावित हुए बिना कहनी चाहिए। उन्होंने बताया कि वर्ष 2018-19 में शिशु वर्ग में 'मेरी मातृभूमि मंदिर है', बाल वर्ग में 'भगिनी निवेदिता की भारत भक्ति', किशोर वर्ग में 'योग एक जीवन पद्धति' एवं तरुण वर्ग में 'वर्तमान शताब्दी में भारतीय वैज्ञानिकों की उपलब्धियाँ' विषय पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई। देश भर की 34 प्रांतीय समितियों से प्राप्त 121 श्रेष्ठ निबंधों को समितिनुसार एवं वर्गानुसार प्रथम आने वाले प्रतिभागियों का चयन कर उन्हें सद्साहित्य एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया।

आचार्यों के लिए निबंध का विषय 'योगश्चितवृत्ति निरोध:' रखा गया था। इनमें 05 पुरस्कार क्रमश: प्रथम से पंचम तक एवं 06 सान्त्वना पुरस्कार शामिल हैं।

आचार्यों व छात्रों के परिणाम संस्कृति शिक्षा संस्थान के वेब साईट www.sanskritisansthan.org पर देख सकते है।

बच्चों को संस्कारित, अनुशासित, समर्पित और परिश्रमी बनाना हमारा दायित्त्व

- श्री दिलीप झा

'हमें बच्चों को आज से ही संस्कारित, अनुशासित, समर्पित और परिश्रमी बनाना है, जो भविष्य में सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक प्रगति की बुलंदियों को हमेशा छूता रहे। इतिहास इस बात का गवाह है - स्वर्णिम अतीत उन्हीं का रहा है! जिनकी युवाशक्ति राष्ट्रहित को बड़ा मानती है और समय पड़ने पर अपना सर्वस्व मातृभूमि की रक्षा हेतु समर्पित कर देती है।' उपरोक्त बातें विद्या भारती के क्षेत्रीय सचिव श्री दिलीप कुमार झा ने विद्या मंदिर में चल रहे तीन दिवसीय आचार्य प्रशिक्षण कार्यशाला के दूसरे दिन संबोधित करते हुए कही। उन्होंने आगे कहा कि राष्ट्र निर्माण में इस शिक्षा रूपी महायज्ञ में हमारे आचार्य व दीदियों की संकल्पना व चिन्तन के आधार पर ही भैया/बहिनों का भविष्य निखरने वाला है। उन्होंने कहा कि जैसा होगा चिन्तन, वैसी होगी दृष्टि, जैसी होगी दृष्टि, वैसी होगी सृष्टि। अत: कार्यशाला के माध्यम से जो भी ज्ञान पर चर्चा की गई है, उस कार्य को अधिक श्रेष्ठ और सुन्दर बनाने का प्रयत्न करना है। आपका शिक्षा रूपी यह यज्ञ तभी सफल माना जाएगा, जब छोटे-छोटे बच्चों को आप समृद्ध व संस्कारयुक्त पाठ्यक्रम देकर प्रदूषित वातावरण के स्थान पर प्रेरक वातावरण बनाने का प्रयास करेंगे।

इस कार्यशाला में सत्र 2018-19 के कार्य की समीक्षा विद्यालय का शैक्षणिक पक्ष, विद्या भारती के आधारभूत विषयों के क्रियान्वयन की प्रभावी योजना एवं मूल्यांकन, शिशुवाटिका एवं बालिका शिक्षा के विषयों के क्रियान्वयन की योजना, उच्च माध्यमिक कक्षाओं की योजना एवं उसका संचालन, सभी विषय प्रमुखों की प्रस्तुती, ध्यान योग, खेलकूद की गतिविधियों पर विशेष रूप से चर्चा की गई।

समापन सत्र में भारती शिक्षा समिति के प्रदेश सचिव श्री गोपेश कुमार घोष ने कहा कि आज शिक्षा के व्यवसायीकरण होने के कारण शिक्षा अपने उद्देश्य से भटक गई है तथा शिक्षा की दिशा नकारात्मक व अभावात्मक होती जा रही है जो वैश्विक चिंता का विषय है। समाज का मार्गदर्शक शिक्षक भी इस अंधी दौड़ में भाग ले रहा है। एन.सी.टी.ई. ने माना है कि शिक्षक किसी भी शैक्षिक कार्य का मूल तत्व है जो शैक्षणिक प्रक्रिया के प्रत्येक चरण के निर्वहन में अहम भूमिका निभाते हैं। राष्ट्र के सुरक्षित भविष्य के निर्माण के लिए जरूरी है कि शिक्षक बच्चों एवं राष्ट्र निर्माण में लगे रहें। उन्होंने कहा कि शिक्षा, संस्कृति से जुड़ी होनी चाहिए। शिक्षा क्षेत्र में कार्य करने वाले व्यक्ति को शिक्षा के दर्शन का ज्ञान होना आवश्यक है।

सरस्वती विद्या मंदिर के छात्र ने राष्ट्रीय उड्डयन एकेडमी रायबरेली के प्रवेश परीक्षा में बाजी मारी

पूज्य तपस्वी जगजीवन जी महाराज सरस्वती विद्या मंदिर, राजगीर, नालंदा, बिहार के छात्र भैया प्रणव केशव ने राष्ट्रीय उड्डयन एकेडमी, रायबरेली (नगर विमानन मंत्रालय, भारत सरकार) द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा में उत्तीर्णता प्राप्त की। ज्ञातव्य हो कि भारत सरकार के विमानन मंत्रालय द्वारा सम्पूर्ण देश से प्रत्येक वर्ष 70 पायलटों के प्रशिक्षण के लिए अभ्यर्थियों का चयन किया जाता है। चयन के पश्चात् सफल अभ्यर्थी को भारत सरकार पूर्ण रूप से सरकारी खर्चे पर प्रशिक्षित करता है। प्रशिक्षण के बाद उसे वायु सेना में पायलट के रूप में नियुक्ति प्रदान करता है।

प्रशिक्षण के पश्चात् भैया प्रणव केशव ने अपने विद्यालय द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में आकर बच्चों को सम्बोधित करते हुए कहा कि अगर जीवन में सफलता की सीढ़ी चढ़ना हो तो अपने गुरु के आदेश का अक्षरश: पालन करना होगा। साथ-साथ अपने लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए विषय पर पकड़ बनाना आवश्यक है। विद्यालय परिवार के सभी आचार्य-आचार्याओं ने प्रणव के इस सफलता पर उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सी.बी.एस.ई. परीक्षा परिणामों में विद्या भारती के विद्यालयों के उत्कृष्ट परिणाम

हिमाचल के सरस्वती विद्या मंदिर के 04 छात्र प्रांत के टॉप टेन में – प्रांत के दसवीं बोर्ड के परीक्षा परिणाम में सरस्वती विद्या मंदिर, मंडी के भैया पारस ने 690 अंक लेकर बोर्ड में दूसरा, नम्होल के भैया ध्रुव शर्मा ने 690 अंक लेकर दूसरा स्थान, परागपुर की बहिन रुचिका सिंह ने 688 अंक लेकर चौथा स्थान और सरस्वती विद्या मंदिर, भटेड के भैया रक्षित ने 685 अंक प्राप्त कर प्रांत में सातवां स्थान हासिल किया है। सनद रहे कि सरस्वती विद्या मंदिर के छात्र लगातार छह वर्षो से हिमाचल बोर्ड की 10वीं और 12वीं की परीक्षा में मेधा सूची में स्थान प्राप्त कर रहें हैं।

बिहार के वरिष्ठ माध्यमिक सरस्वती विद्या मंदिर, मुंगेर की बहन अर्निका रानी ने 96.2 प्रतिशत, हर्षराज शर्मा 96 प्रतिशत, हरिप्रिया ने 95.6 प्रतिशत एवं रीतिक कुमार कौशिक ने 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय एवं प्रांत का नाम रौशन किया। ये सभी छात्र सी.बी.एस.ई. बोर्ड की 10वीं कक्षा में उत्तीर्ण हुए हैं।

श्रीजी बाबा सरस्वती विद्या मंदिर, मथुरा के छात्र कौशल सिंह ने सी.बी.एस.ई. दसवीं बोर्ड की परीक्षा में देश में तीसरा स्थान प्राप्त कर अपने विद्यालय का नाम रौशन किया। इसी कक्षा में 04 अन्य छात्रों ने भी 99 प्रतिशत से ऊपर अंक प्राप्त किया है।

व्यास विद्यापीठम, कल्लेकड विद्या मंदिर की छात्रा ने कक्षा 12वीं की मानविकी संकाय में बहिन अंजना एस. ने 99 प्रतिशत अंक हासिल कर प्रांत में दूसरा एवं देश में 13वें स्थान पर आकर अपने विद्यालय एवं प्रांत का नाम रौशन किया है। ज्ञातव्य हो कि व्यास विद्यापीठम, कल्लेकड विद्यालय विद्या भारती की प्रांतीय ईकाई भारतीय विद्या निकेतन, केरल के अंतर्गत संचालित है।

भारतीय विद्या निकेतन, केरल से सी.बी.एस.ई. बोर्ड के 12वीं कक्षा की परीक्षा में सरस्वती विद्या निकेतन, एलामक्कारा के छात्र अरविन्द अजय ने विज्ञान संकाय में 98.6 प्रतिशत, अरविन्द विद्या मंदिरम, कोट्टायम के छात्र निरंजन ए. ने 98 प्रतिशत एवं वेद व्यास विद्यालयम, कोजिकोड की छात्रा निवेद्या ने भी 98 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय एवं प्रांत को गौरवान्वित किया। वहीं वाणिज्य संकाय में अरविन्द विद्या मंदिरम, कोट्टयम के छात्र अखिलेश राज एवं के. कृष्णा प्रिया ने 97 प्रतिशत अंक प्राप्त किया है।

श्रीजी बाबा सरस्वती विद्या मंदिर, मथुरा के 12वीं कक्षा के सार्थक शर्मा ने विज्ञान संकाय में 97.60 प्रतिशत एवं दीपक अग्रवाल ने वाणिज्य संकाय में 94.40 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय एवं प्रांत का नाम रौशन किया। श्रीजी बाबा सरस्वती विद्यालय के कक्षा 12वीं के 165 भैया/बहिनों में से 61 ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किया है। विद्या भारती का यह विद्यालय हमेशा Continuity in Excellence को साबित करता रहा है जिसका कारण है हमारे आचार्यों की कड़ी मेहनत एवं प्रधानाचार्य का सफल मार्गदर्शन।

गीता निकेतन आवासीय विद्यालय, कुरुक्षेत्र के केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की 12वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम में बहिन आशिमा सुधा ने कला संकाय में 97.20 अंक प्राप्त कर अपने विद्यालय एवं प्रांत का नाम रोशन किया। इस विद्यालय के कक्षा 12वीं से 290 भैया/बहिनों में से 247 ने प्रथम श्रेणी में एवं 48 ने 90 प्रतिशत से ऊपर अंक हासिल कर उत्तीर्णता प्राप्त किया।

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा वर्ष 2019 के घोषित 12वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम में विद्या भारती द्वारा संचालित अनिला महाजन सरस्वती विद्या मंदिर, मनाली जिला कुल्लू के छात्र राहुल प्रसाद ने हिमाचल प्रदेश में विज्ञान संकाय में 486 अंक प्राप्त कर सातवां स्थान प्राप्त किया है।

सर्वहितकारी शिक्षा समिति, पंजाब के सरस्वती विद्या मंदिर के छात्र 12वीं की सी.बी.एस.ई. बोर्ड परीक्षा में मालेरकोटला की हिमांशी ने 96.60 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सर्वहितकारी शिक्षा समिति में प्रथम रही। कॉमर्स ग्रूप में सर्वहितकारी विद्या मंदिर की याशिका ने 95.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान पर रही। मानसा से मानिक ने 95.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कला संकाय (आर्ट्स ग्रूप) में शारदा सर्वहितकारी विद्या मंदिर, चंडीगढ़ की जशनप्रीत कौर ने 96.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान पर रही।

पूज्य तपस्वी जगजीवन जी महाराज सरस्वती विद्या मंदिर, राजगीर के निशांत सागर ने 12वीं की सी.बी.एस.ई. बोर्ड परीक्षा में 97.4 प्रतिशत, पीयूष राज ने 96.4 प्रतिशत, नवीन कुमार ने 95.6 प्रतिशत, श्रेयांश वर्मा ने 95.4 प्रतिशत एवं सौरभ कुमार ने 95.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय एवं प्रांत का नाम रौशन किया है।

विद्याभारती संकुल संवाद
Date of publishing : 20 May, 2019
Total No. of Pages : 8

RNI No. : DELBIL/2005/15122
D.L. No. : DL (S)-01/3362/2019-21
Date of Posting -24-25 May, 2019

पहला वार जो करता है वही आखिरी वार भी करता है

- मेजर जनरल जी.डी. बक्सी

''अपने जीवन को कुर्बान कर पल-प्रतिपल मौत के साए में बैठे रहने वाले, अपने घर परिवार से दूर नितांत निर्जन में कर्तव्य निर्वहन करने वाले जाँबाज सैनिकों के लिए बस चंद शब्द, चंद वाक्य, चंद फूल, दो चार मालाएँ, दो चार दीप, और फिर उनकी शहादत को विस्मृत कर देना, उन सैनिकों को विस्मृत कर देना है। आज समूचे परिदृष्य को राजनैतिक चश्में से देखने की आदत के चलते, वातावरण में तुष्टिकरण का रंग भरने की कुप्रवृत्ति के चलते, प्रत्येक कार्य के पीछे स्वार्थ होने की मानसिकता के चलते समाज में सैनिकों के प्रति सम्मान का भाव धीरे-धीरे तिरोहित होता जा रहा है। आज आवश्यकता है हमें अपने परिवार, समाज एवं गुरुकुलों में देश प्रेम व सैनिकों के प्रति सम्मान की शिक्षा देना। आज आवश्यकता है अपने बच्चे-बच्चियों को मार्शल आर्ट की शिक्षा देना।

हमारा इतिहास वीरों का इतिहास रहा है जो सरस्वती नदी के किनारे विकसित हुआ। इस वीरतापूर्ण एवं वास्तविक इतिहास से हमारे बच्चों एवं अध्ययनरत छात्रों को अवगत कराने की आवश्यकता है। माताओं को चाहिए कि वे अपने पुत्रों को देश की रक्षा के लिए सैनिक बनायें और पुत्रियों को रानी दुर्गावती के समान स्वाभिमानी वीरांगना बनायें, ताकि इस देश का गौरव फिर से खड़ा हो सके। आज हमारे देश को राष्ट्र-भक्त नागरिकों की आवश्यकता है, जो देश और समाज के लिए मर-मिटने के लिए सदैव तैयार रहे। आज देश की रक्षा हेतु रक्षात्मक नहीं, आक्रामक रुख की आवश्यकता है क्योंकि पहला वार जो करता है वही आखिरी वार भी करता है।'' उपरोक्त विचार सरस्वती पुत्र जनरल जी.डी. बक्सी ने दिनांक 11 मार्च 2019 को नरसिंह मंदिर सभागार, जबलपुर में समुत्कर्ष के व्याख्यानमाला कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए।

स्मरणीय है कि भारत द्वारा पाकिस्तान पर की गई एअर स्ट्राईक के बाद देश में जहाँ एक ओर राष्ट्रवादी विचारों की चर्चा हो रही है वहीं दुसरी ओर कुछ लोग इस बात को हजम नहीं कर पा रहें हैं। ऐसे समय देश के ख्यातिलब्ध रक्षा-विषेशज्ञ मेजर जनरल बक्सी ने उपस्थित जनसमूह से आग्रह किया कि वे देश में राष्ट्रभक्ति का सैलाब लाएँ ताकि देश के विरूद्ध षडयंत्र करने वाले उस सैलाब में बह जाएँ। जनरल बक्सी ने सभा में सभी से आग्रह किया कि कम से कम हम नागरिक तो सैनिकों के सम्मान को कम न होने दें, कम से कम हम नागरिक तो उनकी शहादत पर राजनीति न होने दें। हम नागरिक तो उन सैनिकों को गुमनामी में न खोने दें। आइये आज हम सभी संकल्पित हों, अपने देश के लिए, अपने तिरंगे के लिए और उससे भी आगे आकर अपने जाँबाज सैनिकों के लिए।

श्रीमद्भगवद्गीता भाष्य यथार्थगीता प्रतियोगिता एवं पुरस्कार वितरण समारोह सम्पन्न

दिनांक 10 अप्रैल 2019 को ज्वालादेवी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के सभागार में श्रीमद्भगवद् गीता भाष्य यथार्थ गीता प्रतियोगिता एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न विद्यालयों के भैया-बहनों ने प्रतिभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ यथार्थ गीता के प्रणेता स्वामी अड़गड़ानंद जी महाराज के चित्र पर पुष्पार्चन से हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. राम मनोहर जी (प्रांतीय संगठन मंत्री), एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. भारती दास (इलाहाबाद विश्वविद्यालय) रहे।

कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के भैया-बहनों ने गीता के श्लोकों का वाचन करते हुए उसकी व्याख्या भी की। इस प्रतियोगिता में 250 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें ज्वालादेवी सरस्वती विद्या मंदिर, गंगापुरी की कक्षा नवम की छात्रा साध्वी यादव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया एवं द्वितीय स्थान पर प्रयाग महिला विद्यापीठ की छात्रा प्रीति पाण्डेय रही। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा को अंगवस्त्र, यथार्थ गीता तथा 1000 रुपये नकद राशि प्रदान की गई। इस कार्यक्रम में उपस्थित समस्त छात्र-छात्राओं, अभिभावकों एवं समस्त अतिथियों को यथार्थ गीता भेंट की गई।

सेवा में

प्रकाशक एवं मुद्रक : श्री ललित बिहारी गोस्वामी, महामंत्री, विद्याभारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, प्रज्ञा सदन, गो.ला.त्रे. सरस्वती बाल मंदिर परिसर, म.गाँ. मार्ग, नेहरू नगर, नई दिल्ली-110065, के लिए हिन्दुस्तान ऑफसेट प्रेस, ए-26, नारायणा इण्डस्ट्रीयल एरिया, फेस-2, नई दिल्ली-110028 से मुद्रित एवं विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, प्रज्ञा सदन, गो.ला.त्रे. सरस्वती बाल मंदिर परिसर, म.गाँ. मार्ग नेहरू नगर, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित। **संपादक :** श्री ललित बिहारी गोस्वामी, फोन : 011-29840013